Dictation 16.

Ram talks about crossing the border back in '47.

संगीता - पापा, अपने बचपन के बारे में कुछ बताओ।
राम - क्या तुम ख़ास तौर पर कुछ जानना चाहती हो?
संगीता - जी। यह बताओ – आपके माता-पिता पाकिस्तान से आए थे न?
राम - हाँ, लेकिन मुझे वे दिन याद नहीं हैं। मैं उस समय सिर्फ़ तीन साल का था। कराची में हमारी कपड़े की दुकान थी। सात अगस्त सन् उन्नीस सौ सैंतालीस को हम सब कराची से निकले और बीस तारीख़ को कलकत्ते आए। तुम्हारे चाचा को पिताजी ने पहले ही भिजवा दिया था।
संगीता - लेकिन आप दादी के साथ आए।
राम - सही कहा तुमने। हमने सातवीं को दिन के ग्यारह बजे कराची का घर छोड़ा। टेबल पर □ ाने की थालियाँ र□ी थीं। पर □ ाने के लिए किसीके पास समय नहीं था। दो घंटे के अन्दर थोड़ा-सा सामान बाँधा और गाड़ी में बठे। काफ़ी दूर तक चलने के बाद देर रात को एक गाँव के नज़दीक आए। □र के मारे सब के बुरे हाल थे।
संगीता - □ि र क्या हुआ?
राम - □ि र? अगले महीने तुम्हारी दादी कलकत्ते से आ रही हैं। उनसे पूछना कि कसे हमारा परिवार बॉ□र के इस तरफ़ आया।

***
Sangeeta: Papa, tell me something about your childhood.
Ram: Is there something in particular that you wish to know?
Sangeeta: Yes sir. Tell me this: your parents came [here] from Pakistan, did they not?
Ram: Yes, but I don't remember those days. At that time I was only three years old. We had a clothing shop in Karachi. ('We had <u>our</u> clothing shop in Karachi.') On the 7th of August 1947, we got out of Karachi, and arrived in Calcutta on the 20th. [Our] father had sent your uncle over earlier.
Sangeeta: But you arrived with grandma.
Ram: You are right. We left our house in Karachi at 11 o'clock on the 7th. The table had been laid with plates for lunch. But no one had time to eat. We collected ('tied up') a few things within two hours, and sat in the car. After traveling a good distance, we came close to a village late at night. Everyone was in a state of fright.
Sangeeta: What happened next?
Ram: Next? Next month your grandma is arriving [here] from Calcutta. Ask her how our family got to this side of the border.